तुम्हें बार-बार सुमिरु ओ राधे रानी।

तुम्हें बार-बार सुमिरु ओ राधे रानी।
हजार बार सुमिरु ओ राधे रानी।

वृंदावन की लता पतन में।
आई विराजो महारानी।
तुम्हें बार-बार सुमिरु ओ राधे रानी।
हजार बार सुमिरु ओ राधे रानी।

बरसाने में तेरा महल बना है।
ऊंचा महल पटरानी।
तुम्हें बार-बार सुमिरु ओ राधे रानी।
हजार बार सुमिरु ओ राधे रानी।

पीली पोखर निकट बहत है।
वाको निर्मल पानी।
तुम्हें बार-बार सुमिरु ओ राधे रानी।
हजार बार सुमिरु ओ राधे रानी।

ललिता विशाखा तेरी सेवा करत है।
चरण दबावे बिहारी।
तुम्हें बार-बार सुमिरु ओ राधे रानी। हजार बार सुमिरु ओ राधे रानी।

ब्रह्मा विष्णु तेरी आरती उतारे।
दर्शन देव महारानी।
तुम्हें बार-बार सुमिरु ओ राधे रानी।
हजार बार सुमिरु ओ राधे रानी।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34304/title/tume-baar-baar-simru-o-radhayrani

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |